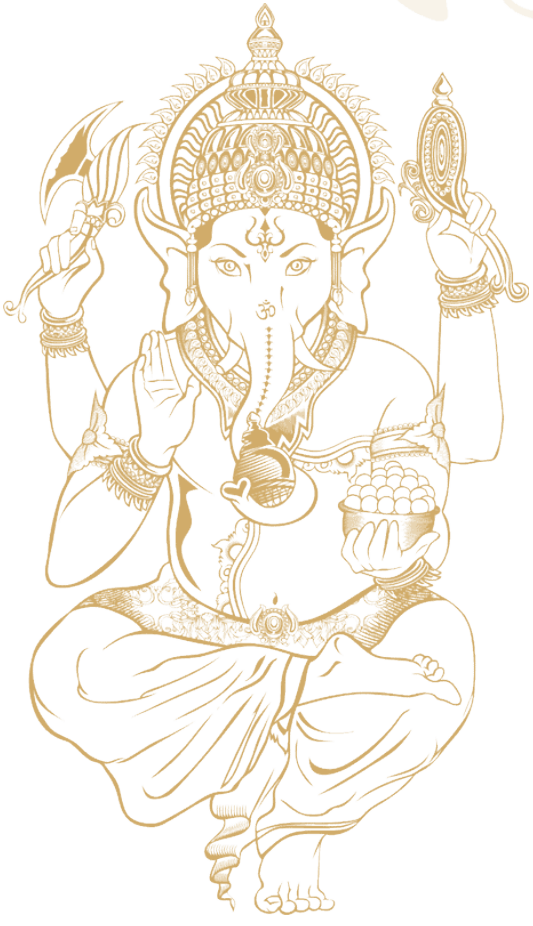

# Mr.rishika kumari

23 Oct 2018

04:56 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121047004

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **22-23/10/2018** |
| दिन | सोम-मंगलवार |
| **जन्म समय** | **04:56:00 घंटे** |
| इष्ट | 58:04:57 घटी |
| **स्थान** | **Katihar** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 25:33:00 उत्तर |
| रेखांश | 87:34:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:20:16 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 05:16:16 घंटे |
| वेलान्तर | 00:15:31 घंटे |
| साम्पातिक काल | 07:21:38 घंटे |
| सूर्योदय | 05:42:01 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:06:17 घंटे |
| दिनमान | 11:24:17 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शरद |
| सूर्य के अंश | 05:23:23 तुला |
| लग्न के अंश | 24:15:07 कन्या |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कन्या - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ०भाद्रपद - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | शनि |
| योग | व्याघात |
| करण | गर |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सिंह |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | ञ-- |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | तुला |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कन्या | 24:15:07 | 323:03:05 | चित्रा | 1 | 14 | बुध | मंगल | राहु | --- |
| सूर्य | | | तुला | 05:23:23 | 00:59:42 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | सूर्य | नीच राशि |
| चंद्र | | | मीन | 14:36:16 | 12:48:49 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | सम राशि |
| मंगल | | | मक | 22:05:45 | 00:31:48 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | शुक्र | उच्च राशि |
| बुध | | | तुला | 25:00:11 | 01:23:39 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | मित्र राशि |
| गुरु | | | वृश्चि | 02:19:46 | 00:12:33 | विशाखा | 4 | 16 | मंगल | गुरु | राहु | मित्र राशि |
| शुक्र | व | अ | तुला | 11:10:16 | 00:34:58 | स्वाति | 2 | 15 | शुक्र | राहु | शनि | मूलत्रिकोण |
| शनि | | | धनु | 10:08:04 | 00:04:14 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | शनि | सम राशि |
| राहु | व | | कर्क | 07:36:37 | 00:11:41 | पुष्य | 2 | 8 | चंद्र | शनि | केतु | शत्रु राशि |
| केतु | व | | मक | 07:36:37 | 00:11:41 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | केतु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | मेष | 06:29:02 | 00:02:27 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | राहु | --- |
| नेप | व | | कुंभ | 19:52:37 | 00:01:02 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | मंगल | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 24:45:36 | 00:00:39 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | बुध | --- |
| दशम भाव | | | मिथु | 24:43:45 | -- | पुनर्वसु | -- | 7 | बुध | गुरु | बुध | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:55

## लग्न-चलित

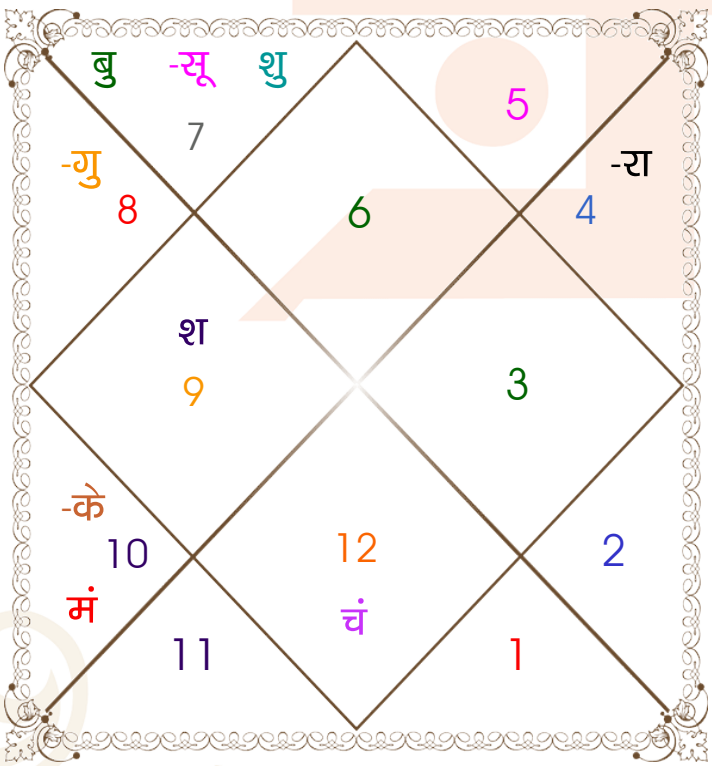


## चन्द्र कुंडली

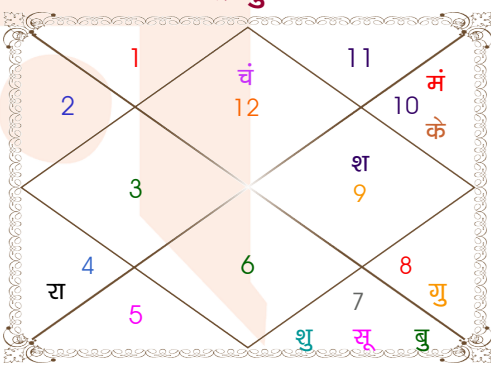


## नवमांश कुंडली

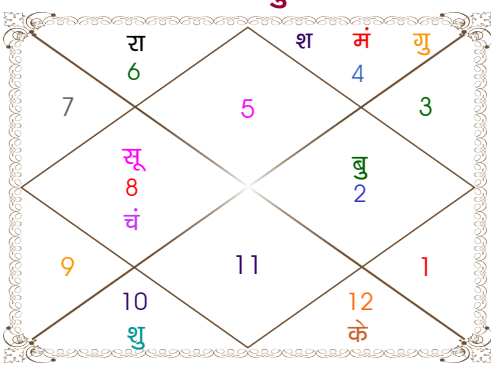

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 11 मास 8 दिन

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 23/10/2018 | | 30/09/2021 | | 30/09/2038 | | 30/09/2045 | | 30/09/2065 | |
| 30/09/2021 | | 30/09/2038 | | 30/09/2045 | | 30/09/2065 | | 01/10/2071 | |
| | 00/00/0000 | बुध | 27/02/2024 | केतु | 26/02/2039 | शुक्र | 30/01/2049 | सूर्य | 18/01/2066 |
| | 00/00/0000 | केतु | 23/02/2025 | शुक्र | 28/04/2040 | सूर्य | 30/01/2050 | चंद्र | 19/07/2066 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 25/12/2027 | सूर्य | 02/09/2040 | चंद्र | 01/10/2051 | मंगल | 24/11/2066 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 30/10/2028 | चंद्र | 03/04/2041 | मंगल | 30/11/2052 | राहु | 19/10/2067 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 01/04/2030 | मंगल | 31/08/2041 | राहु | 30/11/2055 | गुरु | 06/08/2068 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 29/03/2031 | राहु | 18/09/2042 | गुरु | 31/07/2058 | शनि | 19/07/2069 |
| | 23/10/2018 | राहु | 15/10/2033 | गुरु | 25/08/2043 | शनि | 30/09/2061 | बुध | 25/05/2070 |
| राहु | 20/03/2019 | गुरु | 21/01/2036 | शनि | 03/10/2044 | बुध | 31/07/2064 | केतु | 30/09/2070 |
| गुरु | 30/09/2021 | शनि | 30/09/2038 | बुध | 30/09/2045 | केतु | 30/09/2065 | शुक्र | 01/10/2071 |

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01/10/2071 | | 30/09/2081 | | 30/09/2088 | | 01/10/2106 | | 01/10/2122 | |
| 30/09/2081 | | 30/09/2088 | | 01/10/2106 | | 01/10/2122 | | 00/00/0000 | |
| चंद्र | 31/07/2072 | मंगल | 26/02/2082 | राहु | 13/06/2091 | गुरु | 19/11/2108 | शनि | 04/10/2125 |
| मंगल | 01/03/2073 | राहु | 17/03/2083 | गुरु | 06/11/2093 | शनि | 02/06/2111 | बुध | 13/06/2128 |
| राहु | 31/08/2074 | गुरु | 21/02/2084 | शनि | 12/09/2096 | बुध | 07/09/2113 | केतु | 23/07/2129 |
| गुरु | 31/12/2075 | शनि | 31/03/2085 | बुध | 01/04/2099 | केतु | 14/08/2114 | शुक्र | 22/09/2132 |
| शनि | 31/07/2077 | बुध | 29/03/2086 | केतु | 19/04/2100 | शुक्र | 14/04/2117 | सूर्य | 04/09/2133 |
| बुध | 31/12/2078 | केतु | 25/08/2086 | शुक्र | 20/04/2103 | सूर्य | 31/01/2118 | चंद्र | 05/04/2135 |
| केतु | 01/08/2079 | शुक्र | 25/10/2087 | सूर्य | 14/03/2104 | चंद्र | 02/06/2119 | मंगल | 14/05/2136 |
| शुक्र | 31/03/2081 | सूर्य | 01/03/2088 | चंद्र | 13/09/2105 | मंगल | 08/05/2120 | राहु | 24/10/2138 |
| सूर्य | 30/09/2081 | चंद्र | 30/09/2088 | मंगल | 01/10/2106 | राहु | 01/10/2122 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 10 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगी। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगी।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगी। आप अपने पति के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगी। आप व्यवहार कुशल महिला है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगी। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहती हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करती हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगी। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगी। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करती हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं।

आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखती हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगी। जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उनकी सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगी।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगी। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाली चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगी। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगी। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पति एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की

प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें। आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मूत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकती है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।